साप्ताहिक
www.noidaviews.com
RNI: UPHIN/2016/70868
नोएडा
26 दिसम्बर 2022 से
01 जनवरी 2023
वर्ष: 07, अंक: 08
पेज: 08, मूल्य: 3 रुपया

नोएडा व्यूज

● नोएडा ● ग्रेटर नोएडा ● दादरी ● जेवर

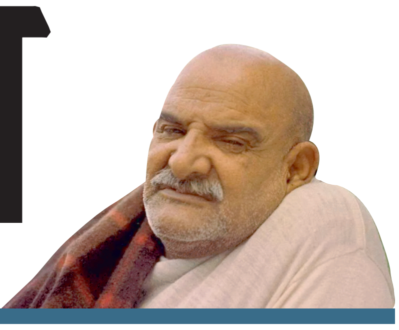

साइबर ठगों की नजरों में है सोशल मीडिया

नोएडा, संवाददाता

साइबर जालसाज सोशल मीडिया समेत ट्विटर और गूगल पर नजर गढ़ाए हुए हैं। जालसाजों ने रेलवे टिकट रिफंड के लिए ट्विटर पर शिकायत करने पर एक युवक से 95 हजार रुपये ठग लिए। इसके अलावा पेंशन रुकने पर कस्टमर केयर पर कॉल कर आरोपियों ने 75 वर्षीय रिटायर्ड जनरल मैनेजर से 98,924 रुपये ठग लिए। दोनों मामलों में केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पूर्वांचल हाइट्स सोसाइटी निवासी 75 वर्षीय जितेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि वह एक कंपनी से जनरल मैनेजर के पद से सेवानिवृत हुए थे। उनकी पेंशन किसी वजह से रुक गई थी। इसके चलते उन्होंने गूगल से ईपीएफ दफ्तर का नंबर लेकर कॉल की। उनके मोबाइल पर बाद में कॉल आई। कॉलर ने उनसे पेंशन शुरू कराने का झांसा देकर डेबिट कार्ड की फोटो कॉपी मांग ली। इसके बाद आरोपी अन्य निजी जानकारी भी हासिल कर उनके खाते से दो बार में 98924 रुपये निकाल लिए। इसकी शिकायत बैंक अधिकारियों को देकर उन्होंने डेबिट कार्ड आदि को ब्लॉक कराया और पुलिस को शिकायत दी।

इधर, डेल्टा-1 निवासी सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने आईआरसीटीसी के एप से टिकट बुक कराई थी। लेकिन टिकट बुक नहीं हो पाई और उनके खाते से रुपये कट गए। रिफंड के लिए उन्होंने ट्वीट किया। साइबर ठगों ने उनसे संपर्क कर रिफंड वापस दिलाने का झांसा दिया और निजी जानकारी हासिल कर उनके खाते से 95 हजार रुपये निकाल लिए। साइबर सेल की जांच के बाद अब सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ये बरतें सावधानी

- ट्विटर पर शिकायत करते समय मोबाइल नंबर आदि शेयर न करें।
- गूगल से लिए गए नंबर की जांच करने के बाद ही डायल करें।
- अनजान व्यक्ति की कॉल आने पर निजी जानकारी शेयर न करें।
- अनजान व्यक्ति के भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें।

पेंशन रुकने पर कस्टमर केयर पर कॉल कर आरोपियों ने 75 वर्षीय रिटायर्ड जनरल मैनेजर से 98,924 रुपये ठगे

शादी का झांसा देकर युवती से होटल में दुष्कर्म

नोएडा, संवाददाता

सेक्टर-30 स्थित एक होटल में एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती को आरोपी दिल्ली से शादी का झांसा देकर नोएडा लेकर आया था। यहां पर उसने होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया।

इस मामले में कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है और मामले की जांच कर रही है। एक युवती ने पुलिस से शिकायत की है कि राहुल नामक युवक ने शादी का झांसा देकर उसको नोएडा के सेक्टर 30 स्थित एक होटल में बुलाया था।

आरोप है कि युवक ने होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया। जब युवती ने शादी की बात कही तो आरोपी ने इनकार कर दिया। युवती ने दिल्ली स्थित अपने घर पहुंचकर परिजनों को मामले के बारे में बताया। फिर दिल्ली पुलिस को आरोपी के खिलाफ शिकायत दी। दिल्ली पुलिस ने घटना स्थल नोएडा होने की वजह से मामले की जांच नोएडा भेजी।

युवती से 9.50 लाख की ठगी

नोएडा, संवाददाता

वैवाहिक साइट पर शादी का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने एक युवती से साढ़े नौ लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने युवती से वैवाहिक साइट पर दोस्ती की और खुद को यूएनडीपी (यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम) में अधिकारी बताया था। जब आरोपी की डिमांड बढ़ती गई तो युवती को शक हुआ। इसके बाद युवती ने पुलिस से शिकायत की। इस मामले में सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेक्टर 62 में रहने वाली एक युवती एक बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनी में इंजीनियर है। उन्होंने अपनी शादी के लिए भारत मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया था। उनकी बायोडाटा देखने के बाद वेद अरोड़ा नामक एक शख्स ने वेबसाइट के जरिए रिक्वेस्ट भेजा। इसके बाद दोनों के बीच व्हाट्सएप पर बात होने लगी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उनसे अमेरिका में यूएनडीपी में खुद को बड़ा अधिकारी बताया और कहा कि वह अभी गाजा में यूएनडीपी के एक प्रोजेक्ट के लिए काम कर रहा है।

इसके साथ ही युवती के पास अपनी एक अच्छी सी फोटो को भी भेज दिया। आरोपी से बातचीत होने के बाद युवती उस पर विश्वास करने लग गई थी। इस दौरान आरोपी ने उनसे बताया उनका इस दुनिया में कोई नहीं है। बस एक उनके चाचा हैं, जो इस समय इंडिया में रहते हैं। इसके बाद आरोपी ने युवती के परिजनों से इंडिया में मिलने आने की बात की।

आरोपी ने युवती से इंडिया मिलने आने के लिए टिकट बुक करने की बात की और कहा कि उसके अकाउंट में सिक्योरिटी कारणों से रुपये ट्रांसफर नहीं हो पा रहे हैं। वह उन्हें इंडिया आकर वापस कर देगा। जिसके बाद युवती ने आरोपी के खाते में 85 हजार रूपये फ्लाइट टिकट के लिए ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद एक फर्जी टिकट बुक होने का मैसेज भी आरोपी ने युवती के पास भेजा था। जिसके कारण उनको उस पर विश्वास हो गया। इसके बाद युवती के पास एक महिला ने फोन किया और खुद को मुंबई एयरपोर्ट पर तैनात कस्टम अधिकारी होने का दावा किया। इस दौरान आरोपी महिला ने युवती से बताया उन्होंने वेद अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया है।

भ्रष्टाचार | **अवैध कालोनियों पर सख्ती नहीं बरत पा रहा है प्राधिकरण**

प्राधिकरण द्वारा कब सील किया जाएगा अवैध कमर्शियल कांप्लेक्स?

ग्रेटर नोएडा, कपिल कुमार

प्राधिकरण के नाम के साथ आजकल ज्यादातर जो शब्द इस्तेमाल किया जाता है वह है भ्रष्टाचार और यह शब्द ऐसे ही नहीं जोड़ा गया है। यह प्राधिकरण के अधिकारियों के कारनामे के कारण प्राधिकरण के साथ जुड़ा, जो प्लॉट संस्थागत के नाम पर अलॉट किए गए थे उनमें कमर्शियल कंपलेक्स बने खड़े हैं और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को गुमराह करके प्राधिकरण की छवि को धूमिल किया जा रहा है बड़े स्तर पर आर्थिक नुकसान भी किया जा रहा है।

नक्शा स्कूल का पास कराया, बना दिया कमर्शियल कंपलेक्स

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में जो नक्शा पास कराया गया है उसमें प्ले स्कूल की बिल्डिंग दर्शाई गई है जबकि मौके पर पूरी तरह कमर्शियल है और एक फ्लोर पर नक्शे से ज्यादा निर्माण भी किया हुआ है लीज डीड की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है।

प्राधिकरण को इसकी जांच करते हुए

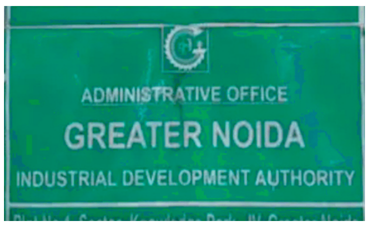

बिल्डिंग को सील करना चाहिए और लीज डीड की शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप में कार्रवाई करनी चाहिए साथ ही अलॉटमेंट भी कैंसिल हो, प्राधिकरण को शक्ति के साथ नियमों का पालन कराना होगा।

संपादकीय

निःशुल्क राशन वितरण कितना सही कितना गलत?

देश के 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन और लगभग 25 लाख पूर्व सैनिकों को पेंशन में फायदे की घोषणा सरकार ने की है, उसका कौन स्वागत नहीं करेगा? ऐसी घोषणा अब से पहले किसी सरकार ने की हो, मुझे याद नहीं पड़ता। पिछली सरकारों ने संकट-कालों में तरह-तरह की रियायतों की घोषणाएं जरूर की हैं लेकिन 80 करोड़ लोगों को साल भर तक 35 किलो अनाज मुफ्त मिलेगा, यह बहुत बड़ी सौगात है।

कपिल कुमार
संपादक,
नोएडा व्यूज

इस अनाज पर तरह-तरह का भ्रष्टाचार होगा। लोग इसे इकट्ठा करेंगे और बाजार भाव पर बेचेंगे। अफसरों, व्यापारियों और दलालों की मिलीभगत इसे वास्तविक गरीबों तक पहुंचने ही नहीं देगी। मुफ्त अनाज की तरह भारत में चिकित्सा और शिक्षा भी मुफ्त होनी चाहिए लेकिन उस पर भी नाम-मात्र का शुल्क जरूर रखा जाना चाहिए। यदि देश के असमर्थ लोगों को अनाज, शिक्षा और चिकित्सा लगभग मुफ्त मिलने लगे तो अगले दस साल में भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनने से कोई रोक नहीं सकता।

कोराना-काल के दो वर्षों में भी सरकार ने असमर्थ लोगों को एकदम कम दाम पर अनाज देकर काफी मदद पहुंचाई थी लेकिन अब उन्हें भी वह अनाज मुफ्त मिला करेगा। आप यह पूछ सकते हैं कि इतना अनाज सरकार मुफ्त में बांट देगी लेकिन वह इसे करेगी कैसे? इस समय सरकारी भंडार में लगभग 4 करोड़ टन अनाज भरा पड़ा है। उसे अपने लोगों का पेट भरने के लिए विदेशों के आगे झोली फैलाने की जरूरत नहीं है।

इंदिरा गांधी राज के वे दिन अब नहीं रहे, जब भारत को पी.एल. 480 गेहूं अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उन दिनों सैकड़ों लोग अकाल के दौरान मौत के शिकार हो जाते थे। आजकल भारत अनाज का बड़ा निर्यातक है। उसने कुछ पड़ोसी देशों को 50-50 हजार टन गेहूं भी भेंट किया है।

इस बार सरकार मुफ्त अनाज वितरण पर 2 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगी लेकिन इस सरकारी उदारता पर मेरी प्रतिक्रिया यह है कि जरूरतमंद लोगों को बिल्कुल मुफ्त अनाज देने की बजाय पहले की तरह उसकी कीमत 5-7 रुपये प्रति किलो जरूर रखी जाए वरना इस उदार रियायत पर वह कहावत लागू होगी कि 'माले-मुफ्त, दिले-बेरहम'! इस अनाज पर तरह-तरह का भ्रष्टाचार होगा। लोग इसे इकट्ठा करेंगे और बाजार भाव पर बेचेंगे। अफसरों, व्यापारियों और दलालों की मिलीभगत इसे वास्तविक गरीबों तक पहुंचने ही नहीं देगी।

मुफ्त अनाज की तरह भारत में चिकित्सा और शिक्षा भी मुफ्त होनी चाहिए लेकिन उस पर भी नाम-मात्र का शुल्क जरूर रखा जाना चाहिए। यदि देश के असमर्थ लोगों को अनाज, शिक्षा और चिकित्सा लगभग मुफ्त मिलने लगे तो अगले दस साल में भारत को महासंपन्न और महाशक्तिशाली बनने से कोई रोक नहीं सकता। जो सरकार ये तीनों चीजें असमर्थ जनता को सुलभ करवा देगी, उसे दशकों तक कोई हटा नहीं सकता।

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी आजाद भारत के सर्वमान्य नेता

आजादी के पहले सर्वमान्य आंदोलनकारी नेता श्रद्धेय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी (बापू) थे। कांग्रेस को उन्होंने राजनीतिक दल नहीं बल्कि आंदोलन माना था। वे अक्सर अपने भाषणों में कहा करते थे 'कांग्रेस आजादी के लिए आंदोलन है'। आजाद भारत में किसी भी व्यक्ति से अगर पूछेंगे कि सर्वमान्य नेता कौन, तो बेहिचक दस में से नौ लोग कहेंगे-अटल बिहारी वाजपेयी। सर्वमान्य होना आसान काम नहीं है। सर्वमान्य की मान्यता देश के जन-जन से मिलती है। अब तक की भारतीय राजनीति में जीवन का नब्बे फीसदी हिस्सा विपक्ष में रहने के बाद सर्वमान्य होना आठवें चमत्कार से कम नहीं है। अटल जी हमारी पार्टी के नेता रहे, इसलिए नहीं लिख रहा। वे नेता सच में जनसंघ और भाजपा के रहे पर किसी भी दल ने, यहां तक कि सीपीएम के ज्योति बासु, हरेन मुखर्जी या सोमनाथ चटर्जी जो हमारी विचारधारा के घोर विरोधी रहे, वे भी अटल जी को स्नेहित निगाहों से देखते थे। उनसे कोई नफरत नहीं करता था। किस राजनीतिक नेता में यह दम है, प्रधानमंत्री रहते हुए चंद्रशेखर ने कहा था कि 'अटल जी मेरे गुरु हैं', आज कोई कह सकता है। अटल जी को अपनी पार्टी, अपने समकक्ष नेताओं और कार्यकर्त्ताओं पर अटूट विश्वास था। यही कारण था कि जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल के दौरान सभी दलों के प्रमुख नेताओं को देश के विभिन्न जेलों में डाल दिया था तब जेलों में रहे नेताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के कहने पर आजादी की दूसरी लड़ाई के तहत लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता पार्टी का गठन किया, अटल जी और आडवाणी जी ने लोकतंत्र बचाने के लिए छद्म नाटक नहीं किया। अटल जी ने कहा-'देश पहले दल बाद में' और जनसंघ को जनता पार्टी में विलीन कर दिया। अपना चुनाव चिन्ह दिया तक बुझा दिया। नेतृत्व के प्रति विश्वास क्या होता है यह इसी बात से पता लगता है कि तत्कालीन जनसंघ के किसी नेता ने या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अटल जी, आडवाणी जी से यह नहीं पूछा कि 'आपने जनसंघ का क्यों विलय किया'।

क्यों मोहम्मद इकबाल को बनाया जाता है महान

आर.के. सिन्हा
(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

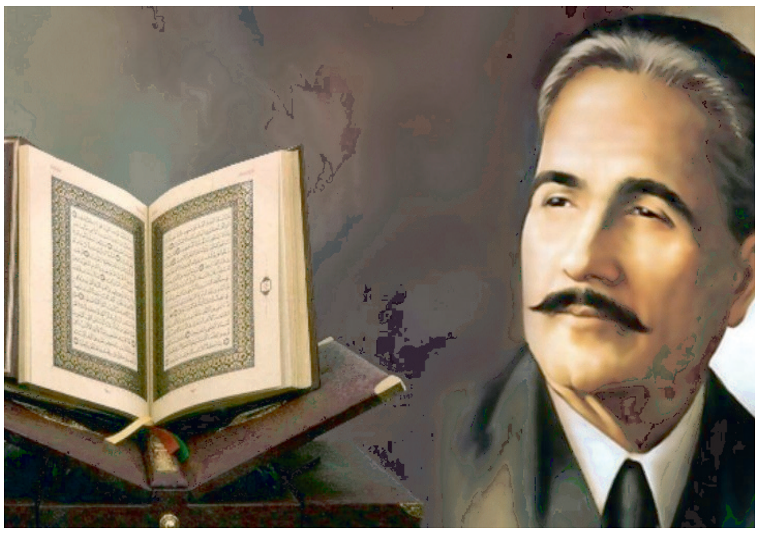

उर्दू के शायर मोहम्मद इकबाल एक बार फिर खबरों में हैं। दरअसल वे इस बार खबरों में इसलिए हैं, क्योंकि; उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के फरीदपुर स्थित एक सरकारी स्कूल में 'मदरसे वाली प्रार्थना' कराये जाने का आरोप लगाते हुए एक स्कूल के प्रधानाचार्य और शिक्षा मित्र के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। इन पर आरोप है कि ये सरकारी स्कूल में 'मेरे अल्लाह, मेरे अल्लाह' बोल वाली एक प्रार्थना कराकर दूसरे धर्मों की धार्मिक भावनाएं आहत कर रहे थे। इन पर जो भी कार्रवाई होनी होगी वह तो हो ही जाएगी। वैसे जिस रचना पर बवाल मचा है वह कहते हैं कि मोहम्मद इकबाल ने ही लिखी थी। अब कुछ सेक्युलरवादी यह कह रहे हैं कि मोहम्मद इकबाल तो बहुत महान शायर थे। उनकी लिखी रचना को स्कूल में पढ़े जाने पर बवाल करना गलत है।

इकबाल को महान बताने वालों को पता नहीं है कि ये वही शायर इकबाल हैं, जिन्होंने जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के विरोध में गोरी सरकार के खिलाफ एक शब्द भी नहीं लिखा या बोला। जब सारा देश उस जघन्य नरसंहार से सन्न था, तब इतना बड़ा शायर शांत बैठा था। वे उन मासूमों के चीखने की आवाजों पर कुछ भी नहीं लिख सके थे। उनकी कलम की स्याही शायद सूख गई थी। हालांकि, वे तब अमृतसर से कुछ ही दूर लाहौर में बैठे थे। जब इकबाल निर्विकार भाव से लाहौर में बैठे थे तब गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर ने अपना सर का खिताब ब्रिटिश सरकार को वापस कर दिया था। यह फर्क समझिये इन दो महान कवि आत्माओं का। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने यह उपाधि विश्व के सबसे बड़े नरसंहारों में से एक जलियांवाला कांड (1919) की घोर निंदा करते हुए लौटाई थी। उन्हें साल 1915 में गोरी सरकार ने 'नाइट हुड' की उपाधि दी थी। इसके विपरीत इकबाल ने जलियांवाला नरसंहार कत्लेआम के कुछ सालों के बाद 1922 में सर की उपाधि ली। शायद अंग्रेजों ने उनकी चुप्पी का इनाम दिया।

इकबाल को समझने के लिए उनका 29 दिसंबर, 1930 को अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के प्रयागराज में हुए सम्मेलन में दिए भाषण को पढ़ लेना चाहिए। वे अपनी तकरीर में यह खुली मांग करते हैं कि पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा राज्यों का विलय कर दिया जाए। ये सभी राज्य मुस्लिम बहुल थे। वे इनके लिए अतिरिक्त स्वायत्ता की मांग करते हैं। होना यह चाहिए था कि वे इन राज्यों के अल्पसंख्यकों जैसे हिन्दुओं, सिखों, ईसाइयों आदि के हितों के मसलों को भी उठाते। पर वे यह नहीं करते। इन सभी राज्यों में मुसलमानों की आबादी 70 फीसद से अधिक थी। तो भी वे मात्र मुस्लिम बहुसंख्यकों के पक्ष में बोल रहे थे। मतलब वे मुस्लिम बहुल राज्यों में उन्हीं को अतिरिक्त शक्तियां देने की वकालत करते थे। इन सभी सूबों को मिलाकर ही आगे चलकर पाकिस्तान बनता है। इसमें पूर्वी बंगाल और जुड़ जाता है। हालांकि वह पाकिस्तान के बनने के 25 सालों के बाद ही अलग भी हो जाता है। तो इकबाल ने एक तरह से पाकिस्तान का ख्वाब 1930 में ही देखना चालू कर दिया था।

हां, इकबाल ने 'सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा... ' जैसा अमर तराना भी लिखा। यह भी बताया जाता है कि उन्होंने राम को इमाम ए हिन्द भी कहा। यह सब बातें भी सही हैं। पर यह नहीं बताया जाता कि 'सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान...' लिखने वाले इकबाल आगे चलकर पूरी तरह बदल जाते हैं। उनकी यह कविता साप्ताहिक 'इत्तिहाद' के 16 अगस्त, 1904 के अंक में छपी थी। लेकिन 1904 का इकबाल 1905 में लॉ की पढ़ाई करने के लिए इंग्लैंड जाते हैं। वे वहां से फिर दर्शन में शोध करने के लिए जर्मनी चले जाते हैं। वे 1909 में पुनः भारत लौटते हैं। अब वे पूरी तरह बदलते हैं। वे 1910 में तराना-ए-मिल्ली कविता लिखते हैं। इसमें राष्ट्रवाद के बजाय मुसलमानों को बतौर मुस्लिम होने पर गर्व करने की सीख दी जाती है।

मोहम्मद इकबाल से राजधानी के जोरबाग में रहने वाले दीनानाथ मल्होत्रा परिवार को बहुत गिला रहा है। इसकी वजह है कि इकबाल उस शख्स के जनाजे में शामिल हुए थे जिसने मल्होत्रा जी के पिता राजपाल का कत्ल किया था। हत्यारे का नाम था इल्मउद्दीन। इकबाल उस हत्यारे के जनाजे में खुलेआम शामिल हुए थे। दरअसल लाहौर में इल्मउद्दीन ने 1923 में प्रताप प्रकाशन के मालिक राजपाल को मार डाला था। राजपाल ने 1923 में रंगीला रसूल नाम से एक किताब छापी थी। इसके छपते ही पंजाब प्रांत में कठमुल्ला भड़क गए थे। उनका कहना था कि लेखक ईशनिंदा का दोषी है। वे लेखक की जान के प्यासे हो गए। लाहौर में उस लेखक के खिलाफ आंदोलन चालू हो गया। पर जब वो नहीं मिला तो इल्मउद्दीन ने उस किताब के प्रकाशक राजपाल को ही मार डाला। हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया।

इल्मउद्दीन उसी तरह से हीरो बन गया कठमुल्लों का, जैसे कुछ साल पहले उसी लाहौर में पंजाब के गवर्नर सलमान तासीर को मारने वाला उनका सुरक्षा कर्मी हीरो बन गया था। सलमान तासीर को मुमताज कादरी ने इसलिए ही मार दिया था, क्योंकि उन्होंने आसिया बीवी नाम की एक सीधी-सादी ईसाई महिला का यह कहते हुए साथ दिया था कि इस पर ईशनिंदा का केस चलाना गलत है। राजपाल जी के पुत्र और हिन्द पॉकेट बुक्स के फाउंडर दीनानाथ मल्होत्रा बताते थे कि जब इल्मउद्दीन पर केस चल रहा था उस वक्त इकबाल उसके पक्ष में माहौल बना रहे थे। यानी वो एक हत्यारे के साथ खुलकर खड़े थे। इकबाल के हक में मुंबई से मोहम्मद अली जिन्ना भी इल्मउद्दीन के हक में पैरवी करने आए थे। पर कोर्ट ने इल्मउद्दीन को फांसी की सजा सुनाई थी। उसे 1929 में फांसी के बाद जब लाहौर दफनाने के लिए कब्रिस्तान में लेकर जा रहे थे तब उस जनाजे में इकबाल भी थे। दीनानाथ मल्होत्रा कहते थे कि इकबाल बड़े शायर थे, पर उन्होंने एक हत्यारे का खुलकर साथ दिया था। दीनानाथ जी का चंदेक साल पहले निधन हो गया था। दीनानाथ मल्होत्रा ने ही भारतीय कापी राइट एक्ट का प्रारूप तैयार किया था। वे फेडरेशन पब्लिशर्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे। पद्मश्री से सम्मानित मल्होत्रा को यूनेस्को ने भी सम्मानित किया था। वह हिन्द पाकेट बुक्स के भी एमेरिटस अध्यक्ष रहे। उन्हें 2000 में भारत सरकार द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। दीनानाथ मल्होत्रा ने 1944 में पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर में मास्टर्स में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। 13 दिसंबर 2017 को इनकी मृत्यु हो गई थी। बेहतर होगा कि मोहम्मद इकबाल के व्यक्तित्व और कृतित्व का ईमानदारी से अध्ययन हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कपिल कुमार ने समग टू इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-157, सेक्टर-80, फेस-2, नोएडा से छपवा कर, ग्राम व पोस्ट- खेड़ी गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **संपादकः कपिल कुमार**, मो. 9810402764, ई-मेलः noidaviews2014@gmail.com ● नोटः सभी विवादों का निस्तारण गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा।

जिस अवैध निर्माण को तोड़कर प्राधिकरण अपनी पीठ थपथपा रहा है, उसको किसने फल–फूल ने दिया?

ग्रेटर नोएडा। कपिल कुमार

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में आए दिन बुलडोजर चलने की खबरें आ रही हैं आए दिन कहीं ना कहीं अवैध निर्माण को तोड़ा जा रहा है। अवैध निर्माण को तोड़कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपनी पीठ थपथपा रहा है आखिरकार अवैध निर्माण का कारोबार इतना क्यों फल फूल है क्या कारण रहा की अवैध निर्माण को समय रहते हुए नहीं रोका गया। क्यों इसका कोई ठोस हल नहीं निकाला गया? इन सब सवालों का प्राधिकरण को जवाब देना होगा। वह कौन अधिकारी थे जिनकी शह पर खुलेआम अवैध निर्माण हुआ था।

अवैध निर्माण टूटने पर सबसे ज्यादा नुकसान गरीब का होता है

2018 से 2021 के बीच सबसे ज्यादा अवैध निर्माण

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में लगभग 2018 से अवैध कॉलोनियों का निर्माण होना शुरू हुआ और बताते है कि यह अवैध निर्माण ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उस समय के अधिकारियों की देखरेख में हुआ। एक एक गांव में दर्जनों कॉलोनियां काटी गई क्या उस समय प्राधिकरण को कोई अवैध निर्माण नहीं दिखा। फिर आज यह अवैध निर्माण कैसे हो गया ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल एक, दो और तीन के अंतर्गत आने वाले गांव में कोई ऐसा गांव नहीं होगा। जहां पर अवैध कालोनिया ना कटी हो। जिन अधिकारियों के समय में अवैध निर्माण हुआ क्या उनकी जवाबदेही नहीं बनती की अवैध निर्माण को शुरू होने पर ही रोका जाता। उनकी अवैध कमाई पर कब बुलडोजर चलेगा।

ज्यादातर अवैध कॉलोनियों में घर खरीदने वाले लोग गरीब और मध्यमवर्गीय होते हैं जिनकी औसतन मासिक आमदनी 25 हजार के आसपास होती हैं। दूसरे जिले और प्रदेशों से आए लोग नोएडा में अपने घर की चाहत में अवैध कॉलोनियों में प्लॉट या मकान खरीद लेते हैं। लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता क्यों उनके जीवन भर की पूंजी किसी दिन कुछ ही मिनटों में प्राधिकरण द्वारा ध्वस्त कर दी जाएगी। जमीन बेचने वाला किसान और कॉलोनी काटने वाला कॉलोनाइजर अपना काम करके निकल जाते हैं मरता है तो सिर्फ गरीब मरता है।

जब तक प्राधिकरण अवैध निर्माण होने की मूल समस्या पर काम नहीं करेगा। तब तक ऐसे अवैध निर्माण चलते रहेंगे और गरीब और भोली भाली जनता लुटती रहेगी। गांव का अधिग्रहण करें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को गांवों में अधिग्रहण करना चाहिए। किसान को उसकी जमीन का सही मूल्य दें। तो किसान किसी कॉलोनाइजर को जमीन ना बेच करके सीधे प्राधिकरण को ही अपनी जमीन देगा। लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की कार्यशैली बहुत ही दयनीय स्थिति में है वह ना तो किसान को उसकी जमीन का मुआवजा देना चाहते और ना ही उसे जमीन बेचना देना चाहते। कथित तौर पर कहा जाता है कि प्राधिकरण के लगभग 80 प्रतिशत करोड़पति बन चुके हैं तो उनके पेट भरे हुए हैं तो उन्हें लगता है की किसान की स्थिति भी उनके जैसी ही है जब भी किसान को पैसे की जरूरत होती है तो उसके पास जमीन बेचना ही एक ऑप्शन बचता है जिसको प्राधिकरण तो खरीदता नहीं है तो मजबूरी में आकर के हो किसी कॉलोनाइजर को अपनी जमीन पर देता है।

किसी कॉलोनी को छोड़ दिया जाता है किसी को तोड़ दिया जाता है, नए निर्माण आज भी चल रहे हैं

कथित तौर पर एक बात जो आजकल कहीं जाती है कि प्राधिकरण के अधिकारी एक कॉलोनी को तोड़ देते हैं और उसी के पड़ोस वाली कॉलोनी को छोड़ देते हैं ऐसा क्यों? सिर्फ कुछ कॉलोनियों को ही टारगेट करके तोड़ा जाता है इसके पीछे भी कोई कारण है जिसे आम लोग जानना चाहते हैं?

बहुत गांवों में आज भी नई कॉलोनीया बनाई जा रही है जहां पर सिर्फ कुछ दिन पहले ही निर्माण शुरू हुआ है लेकिन उनको रोका नहीं जा रहा है इंतजार किया जा रहा है कि कब गरीब लोग खरीदें और वह अपना घर बनाए तब हम उसको अवैध निर्माण करके तोड़ेंगे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी कार्यशैली पर सोचना चाहिए अपने अवैध निर्माण को तोड़ने के तरीके खुद मंथन करें।

पांच और गांवों में जल्द बनेंगे बरातघर, सेक्टरों में 13 सामुदायिक केंद्र भी बनेंगे

प्राधिकरण ने शुरू की टेंडर प्रक्रिया, 70 लाख रुपये खर्च होने का आकलन

पहले से निर्मित 85 बरातघरों का होगा मरम्मत, 3.63 करोड़ रुपये होंगे खर्च

ग्रेटर नोएडा। कपिल कुमार

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पांच और गांवों में जल्द ही बरातघर बनवाने जा रहा है। इनको बनवाने के लिए प्राधिकरण ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन बरातघरों के निर्माण में करीब 70 लाख रुपये खर्च होने का आकलन है। वहीं, पहले से निर्मित 85 अन्य बरातघरों को भी प्राधिकरण दुरुस्त कराने जा रहा है। इस पर करीब 3.63 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने इन दोनों कार्यों के लिए सहमति दे दी है। प्राधिकरण ने इनके टेंडर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने ग्रेटर नोएडा के अंतर्गत आने वाले गांवों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए पहले से निर्मित बरातघरों का मरम्मत कराने और जिन गांवों में बरातघर नहीं हैं, वहां नए बरातघर बनवाने के निर्देश दिए हैं। सीईओ के निर्देश पर परियोजना विभाग ने 85 गांवों के बरातघरों का मरम्मत कराने और पांच नए बरातघरों के निर्माण की योजना बना ली है। नए बरातघर देवला, चुहड़पुर, डाढ़ा, सिरसा व रोशनपुर में बनेंगे। प्राधिकरण ने इन बरातघरों को बनवाने के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन 85 बरातघरों का मरम्मत होना है, उनमें चिपियाना बुजुर्ग, चिपियाना खुर्द, जौन समाना, जलपुरा, मलकपुर, लखनावली, गुर्जरपुर, बेगमपुर, नवादा, साकीपुर, पाली, पल्ला, रामपुर फतेहपुर, डाबरा, रिठौरी आदि शामिल हैं। सीईओ रितु माहेश्वरी ने पहले से निर्मित बरातघरों के मरम्मत और पांच नए बरातघरों का कार्य शीघ्र शुरू कर तय समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

सेक्टरों में 13 सामुदायिक केंद्र भी बनेंगे

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सेक्टरों में 13 सामुदायिक केंद्र भी बनवाने जा रहा है। सीईओ रितु माहेश्वरी के निर्देश पर परियोजना विभाग ने इन सामुदायिक केंद्रों को बनवाने की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये सामुदायिक केंद्र सेक्टर ईटा वन, सेक्टर 31 (स्वर्णनगरी), सेक्टर 36, सेक्टर 37, पाई वन, जीटा वन, डेल्टा थ्री, फाई-चाई एक्सटेंशन, सेक्टर तीन, ज्यू वन, टू व ज्यू थ्री, ओमीक्रॉन वन ए हैं। सीईओ इन सेक्टरों में सामुदायिक केंद्र को बनाने पर सहमति दे दी है। ये सामुदायिक केंद्र दो मंजिल के बनेंगे।

ग्राउंड तल पर लॉबी, पार्टी हॉल, किचन स्पेस, स्टोर, एक रूम और लेडीज व जेंट्स ट्वॉयलेट बनाए जाएंगे, जबकि प्रथम तल पर लॉबी, लाइब्रेरी, इंडोर स्पोर्ट्स एक्टिविटी और लेडीज व जेंट्स ट्वॉयलेट की सुविधा रखे जाने का प्रस्ताव है। हर सामुदायिक केंद्र में लगभग 50 वाहनों के पार्किंग की भी व्यवस्था होगी। इन 13 सामुदायिक केंद्रों को बनाने में लगभग 27 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। सीईओ रितु माहेश्वरी ने इन सामुदायिक केंद्रों को बनवाने के लिए टेंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर काम शुरू कराने के निर्देश दिए।

अब मुफ्त में नहीं लगेगी कोरोना वैक्सीन

नोएडा, संवाददाता। जिले में कोरोना वैक्सीन के इच्छुक लोगों को अपनी जेब ढीली करनी होगी। कोविशील्ड, कोर्बोवैक्स के बाद शनिवार को कोवैक्सीन का भी स्टाक खत्म हो गया। जिम्स, दादरी, और चाइल्ड पीजीआइ में वैक्सीन के लिए पहुंचे लोगों को मायूसी हाथ लगी। लोगों को निजी केंद्रों पर वैक्सीन लगवानी पड़ी।

बता दे कि शासन स्तर से कोरोना की सतर्कता डोज के लिए 30 सितंबर की मियाद तय की गई थी, लेकिन इस दौरान संक्रमण होने पर कम ही लोग सामने आ रहे थे। विभाग के पास जो पुराना स्टाक था उसी से छूटे लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही थी। लक्ष्य के सापेक्ष 25 प्रतिशत को ही सतर्कता डोज लगाई जा सकी है। लेकिन चीन में कोरोना बढ़ते मामलों में लोगों को चिंता में डाल दिया है।

इसके बाद लोग सतर्कता डोज के लिए दौड़ लगा रहे लेकिन शनिवार को सिर्फ चाइल्ड पीजीआइ और जिम्स में कोवैक्सीन लगी। वहीं दादरी पर डोज खत्म होने के कारण

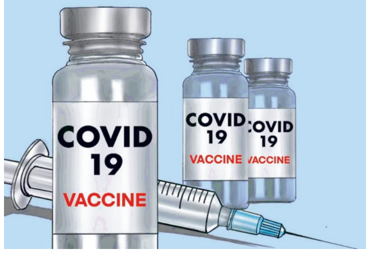

टीकारण नहीं हुआ। हालांकि दोपहर होते-होते चाइल्ड पीजीआइ और जिम्स पर भी वैक्सीन खत्म हो गई। इस कारण कई लोगों को मायूस होकर लौटना पड़ा।

कहां लगवा सकते हैं पहली, दूसरी और सतर्कता डोज

वैक्सीनेशन के सरकारी वेबसाइट कोविन के अनुसार जिले के सरकारी अस्पतालों में कोवैवैक्सी, कोविशील्ड और कोर्बोवेक्स उपलब्ध है। यहां बिना स्लाट बुक किए भी वैक्सीन लगाई जा सकती है। लोग आन स्पाट पहुंचकर वैक्सीन लगवा सकते हैं। कैलाश, प्रकाश, फोटिस, जेपी, मेट्रो, शारदा, यथार्थ आदि अस्पताल में वैक्सीन उपलब्ध है।

पुलिस ने नष्ट की साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा की 60 हजार लीटर शराब

नोएडा व्यूज

दिल्ली से सटे नोएडा (उत्तर प्रदेश) में पुलिस द्वारा सीज की 60 हजार लीटर जहरीली शराब नष्ट कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद शराब खत्म कर दी गई, जो पिछले कई सालों में पकड़ी गई थी।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि साल 2015 से 2022 तक पुलिस ने 500 पेटी में शराब जब्त की। उन्होंने बताया कि शनिवार को अवैध शराब को नष्ट कर दिया गया।

अवैध शराब ने थानों में जगह का कर लिया था कब्जा

द्विवेदी ने कहा कि सेक्टर-39 और सेक्टर-20 पुलिस स्टेशनों द्वारा जब्त की गई लगभग

60,000 लीटर शराब को उचित प्रक्रियाओं के बाद नष्ट कर दिया गया है। यह शराब इन पुलिस स्टेशनों में भंडारण स्थान पर कब्जा कर रही थी। इस शराब की कीमत 3.80 करोड़ रुपये आंकी गई थी।

इसी तरह 19 वाहनों की नीलामी की गई है, जिन्हें इन मामलों में सेक्टर 20 थाना पुलिस ने इंपाउंड किया था। इनमें पांच चार पहिया और 14 दोपहिया वाहन शामिल हैं। द्विवेदी ने कहा कि इन वाहनों की नीलामी से बरामद राशि को राज्य के खजाने में जमा किया जाएगा।

17 निजी अस्पतालों में होगा मरीजों का इलाज

नोएडा। जिले के 17 निजी अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज की सुविधा होगी। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों के नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिए हैं। शनिवार को सीएमओ की अध्यक्षता में नोडल अधिकारियों की बैठक में संक्रमण से निपटने की तैयारियों पर चर्चा हुई। साथ ही, सभी निजी अस्पतालों को जांच बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

फिलहाल जिले में कोरोना की 500 जांच ही हो रही हैं। इंटीग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल रूम, बेड की उपलब्धता के लिए डॉ. मनोज कुशवाह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। होम आइसोलेशन की व्यवस्था डॉ. ललित कुमार, सर्विलांस और विदेशी यात्रियों की ट्रैकिंग डॉ. टीकम सिंह, एक्टिव केस सर्च डॉ. अशोक कुमार, सैंपलिंग डॉ. अमित व वर्तिका गुप्ता और सैनिटाइजेशन का जिम्मा राजेश सिंह व श्रुति संभालेंगे। ऑक्सीजन की उपलब्धता डॉ. आरके सिंह और श्वेता खुराना और वैक्सीनेशन का जिम्मा डॉ. आरके सिंह व डॉ. उबैद कुरैशी संभालेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के पास वैक्सीन का स्टॉक नहीं है, इसकी वजह से टीकाकरण नहीं हो पा रहा है। सरकारी अस्पताल में बूस्टर डोज लगवाने के लिए आने वाले लोगों को वापस लौटना पड़ रहा है। एक सप्ताह के अंदर वैक्सीन आने के बाद टीकाकरण शुरू होगा। चीन व अन्य देशों से आए लोगों की निगरानी के लिए डॉक्टरों की टीम बनाई गई है। ये टीम एयरपोर्ट अथॉरिटी से विदेश से आने वाले लोगों की सूची लेकर घर-घर जाकर जांच करेगी।

युवा इंजीनियरों ने डॉक्टरों के लिए तैयार की वेंटीलेटेड पीपीई किट

> लगातार सामने आने वाली डॉक्टरों की परेशानी का निदान निकालने के लिए जीएल बजाज कालेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र हर्ष जायसवाल व गगन सिंह अपने मेंटर डा. विनोद कुमार यादव के साथ प्रयासरत थे। लगभग तीन से चार महीने की मेहनत के बाद उन्हें सफलता मिली। लगभग छह माह में उनके पेटेंट को स्वीकृति मिली।

ग्रेटर नोएडा। अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार के दौरान संक्रमण से स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए डॉक्टरों के द्वारा पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट) किट पहनी जाती है। हवा का संचार न होने के कारण किट पहनने के कुछ देर के अंदर ही डॉक्टर पसीने से तर-बतर हो जाते हैं।

डॉक्टरों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए जीएल बजाज कालेज के युवा इंजीनियरों ने विशेष रूप से वेंटीलेटेड पर्सनल प्रोटक्शन इक्विपमेंट किट तैयार की है। छात्रों ने अपने आइडिया का पेटेंट भी करा लिया है।

पीपीई किट पहनने के बाद डॉक्टर कोरोना के संक्रमण से तो सुरक्षित हो जाते हैं, लेकिन गर्मी व पसीने के कारण उनका हाल बेहाल हो जाता है। लगातार सामने आने वाली डॉक्टरों की परेशानी का निदान निकालने के लिए जीएल बजाज कालेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले छात्र हर्ष जायसवाल व गगन सिंह अपने मेंटर डा. विनोद कुमार यादव के साथ प्रयासरत थे। लगभग तीन से चार महीने की मेहनत के बाद उन्हें सफलता मिली। लगभग छह माह में उनके पेटेंट को स्वीकृति मिली।

पीपीई किट पहनने के बाद छात्रों ने डॉक्टरों की परेशानी को स्वयं महसूस किया। छात्रों ने पाया कि किट पहनने के कुछ देर के अंदर ही शरीर में पसीना हो गया। गर्मी व पसीने के कारण उलझन बढ़ने लगी। समस्या से स्वयं रूबरू होकर छात्र उसका निदान तलाशने के प्रयास में जुट गए। मेंटर विनोद कुमार यादव ने बताया कि किट में एक हेपा फिल्टर लगाया गया है। फिल्टर के माध्यम से स्वच्छ हवा किट के अंदर प्रवेश करती है।

फिल्टर की विशेषता है कि बैक्टेरिया के 0.2 से 2.0 व वाइरस के 0.02 से 0.03 माइक्रो मीटर तक के पार्टीकल को अंदर प्रवेश नहीं करने देता है। किट के अंदर की हवा को बाहर निकालने के लिए किट में पीछे की तरफ छोटा एकजास्ट लगाया गया है। इस तकनीक से किट के अंदर ठंडक बनी रहती है पसीना नहीं आता है।

दूसरी किट में प्रयोग हो सकता है हेपा फिल्टर व एकजास्ट

छात्रों के द्वारा तैयार किट की लागत लगभग 3500 रुपये आई है। व्यापक पैमाने पर तैयार कराने पर कीमत लगभग 1500 रुपये तक आएगी। किट का प्रयोग होने के बाद उसमें लगे हेपा फिल्टर व एकजास्ट को बहुत आसानी से निकाल इसका प्रयोग दूसरी किट में किया जा सकता है।

चार्जर बैटरी से चलता है हेपा फिल्टर व एकजास्ट

हेपा फिल्टर व एकजास्ट में छोटी से चार्ज होने वाली बैटरी लगी है। बैटरी लगभग आधे घंटे में फुल चार्ज हो जाती है। किट में लगे बटन को आन करने के बाद बैटरी लगभग आठ घंटे तक चलती है।

मेंटर डा. विनोद कुमार यादव ने बताया कि काफी प्रयास के बाद विशेष किट तैयार करने में सफलता मिली। किट का पेटेंट होने के बाद हमें बल मिला है। इसके व्यापक उत्पादन के लिए किट तैयार करने वाली कंपनियों के साथ करार किया जाएगा।

एक्वा मेट्रो की 11 किलोमीटर लिंक लाइन बनाने का रास्ता साफ

नोएडा, संवाददाता। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच करीब 30 किलोमीटर तक संचालित होने वाली नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) की एक्वा लाइन मेट्रो की 11 किलोमीटर लंबी लिंक लाइन को बिछाने का रास्ता साफ हो गया है। लंबे समय से एनएमआरसी में रूट को लेकर चल रही कवायद अब समाप्त हो गई है।

एनएमआरसी प्रबंधन ने सेक्टर-142 से बोटेनिकल गार्डन तक लिंक लाइन को सीधे जोड़ने का निर्णय लिया है। इसका ट्रैक अब पुराने रूट पर ही बिछाया जाएगा। इस रूट की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) दिसंबर 2016 में दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) ने तैयार कर एनएमआरसी प्रबंधन को सौंपी थी, लेकिन अब प्रबंधन ने डीएमआरसी से छह वर्ष पहले तैयार डीपीआर को संशोधित कर देने को कहा है।

संशोधित डीपीआर आने के बाद प्रदेश सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। प्रबंधन के अनुसार, दिसंबर 2016 में जो डीपीआर बनाई गई थी, जिसमें नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड के बगल खाली पड़ी ग्रीन बेल्ट पर एक्वा लाइन मेट्रो का रूट तैयार किया जाना प्रस्तावित किया गया है। इस पर 2826 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया गया था। सेक्टर-142 से लेकर बोटेनिकल गार्डन तक आठ स्टेशन तैयार होंगे। इसमें केवल छह स्टेशनों को बनाया जाएगा। सेक्टर-44 के पास आकर एक्वा लाइन मेट्रो महामाया फ्लाईओवर के ऊपर से गुजारा जाएगा। इस जगह पर एक्वा लाइन मजेंटा लाइन के ऊपर से गुजारी जाएगी। जो रूट की सबसे ऊंची मेट्रो भी बन सकती है।

अच्छी खबर | अब परेशान होने की जरूरत नही...

दिल संबंधी बीमारियों का बेहतर इलाज आयुर्वेद में संभव

नोएडा। आज बुजुर्गों के साथ-साथ बड़ी संख्या में युवा भी ह्रदय संबंधी रोगों से जूझ रहे हैं, आये दिन देश के अलग-अलग जगहों से युवाओं के चलते-फिरते हार्ट अटैक से मौत के वीडियो सामने आ रहे हैं, जिससे आमलोग अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हैं, लेकिन ह्रदय संबंधी रोगों के उपचार के लिये ज्यादातर लोग मंहगी ऐलोपैथी का सहारा लेते हैं, लेकिन अब माधवबाग के संस्थापक आयुर्वेदाचार्य डॉ रोहित साने ने दावा किया है कि कम खर्च में आयुर्वेद में भी ह्रदय संबंधित रोगों का उपचार संभव है।

माधवबाग आयुर्वेदिक केंद्र की टीम का रिसर्च के आधार पर और 572 मरीजों पर किये गये आयुर्वेद अभ्यास के आधार पर ये दावा है कि chronic heart failure, post myocardial infarction, post percutaneous transluminal

coronary angioplasty, उच्च रक्तचाप, मोटापा, जोड़ों का दर्द और मधुमेह जैसी बीमारियों का इलाज आयुर्वेद में संभव है। आयुर्वेद पद्धतियां एलोपैथी की तुलना में ज्यादा बेहतर परिणाम देती हैं और शरीर में को साइड इफेक्ट भी नहीं होता है।

डॉ रोहित साने का दावा है कि आयुर्वेदिक उपचारों की सहायता लेने वाले रोगियों की अस्पताल में एडमिट होने और मृत्यु की संभावना तुलनात्मक रूप से कम है। हाल ही में पणजी में संपन्न हुये 9वें विश्व आयुर्वेदिक परिषद में भी माधवबाग संस्थान नें भाग लिया जहां पीएम मोदी ने भी संस्थापक डॉ रोहित शाने के प्रयासों को सराहा था।

पंचकर्म उपचार की सलाह

ह्रदय की बीमारियों से जूझ रहे आम लोगों को डॉ रोहित पंचकर्म उपचार, प्राणायाम, ध्यानधारणा, सौम्य व्यायाम और आयुर्वेदिक आहार लेने की सलाह देते हैं, जिससे लिपिड प्रोफाइल में सुधार के साथ साथ रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनियों की अंदरूनी दीवारों पर चर्बी, कोलेस्ट्राल और अन्य पदार्थ संचयित ना हो पायें। ह्रविश्व को ठीक करनेह के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे माधवबाग संस्थान का सहारा ह्रदयरोगी और मधुमेह रोगी ले सकते हैं।

एक से कक्षा आठ तक के स्कूलों के समय में बदलाव

नोएडा/ गाजियाबाद। पूरे उत्तर भारत में शीतलहर चल रही है। दिसंबर के आखिरी दिनों में उत्तर भारत के तमाम राज्य ठिठुरने लगे हैं। ऐसे में स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर गाजियाबाद प्रशासन ने कक्षा एक से लेकर आठ के स्कूलों के समय में बदलाव किया है। गाजियाबाद जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सर्दी में घने कोहरे के चलते अब सरकारी और प्राइवेट स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से तीन बजे तक रहेगा।

झाड़ियों में मिली नवजात भूख से बिलबिलाई तो थानेदार की पत्नी ने कराया स्तनपान

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता

नॉलेज पार्क स्थित गर्ल्स हॉस्टल के पास मंगलवार को झाड़ियों में मिली बच्ची के माता-पिता का अब तक पता नहीं चला है। लेकिन बच्ची के मिलने के बाद थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह की पत्नी के बच्ची को स्तनपान कराने की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वायरल फोटो में बच्ची थाना प्रभारी की पत्नी की गोद में हैं। फिलहाल बच्ची चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की देखरेख में है।

नॉलेज पार्क थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि नईमुद्दीन नाम के एक व्यक्ति का गधा गुम हो गया था। मंगलवार को नईमुद्दीन गर्ल्स हॉस्टल के पास झाड़ियों में गधे को तलाशने पहुंचा था। तभी झाड़ियों में कुछ कुत्ते मंडराते दिखाई दिए। नईमुद्दीन ने पास जाकर देखा तो एक कपड़े में नवजात बच्ची लिपटी हुई थी।

उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को थाने लेकर आई, लेकिन बच्ची भूख के चलते बिलबिला रही थी और चुप नहीं हो रही थी। बच्ची के मिलने की जानकारी होने पर थाना प्रभारी की पत्नी भी वहां पहुंच गईं।

बच्ची काफी देर तक भी चुप नहीं हुई तो थाना प्रभारी की पत्नी ने बच्ची को फीड कराया। उसी दौरान किसी ने यह फोटो खींच लिया।

उनके इस कार्य की सोशल मीडिया पर प्रशंसा की जा रही है। थाना प्रभारी को तीन माह पहले ही पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई थी।

एक्सप्रेसवे पर मिला शव, सिर में लगी गोली

ग्रेटर नोएडा। दनकौर में कार सवार एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। शव मंगलवार देर शाम ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर मिला। पुलिस ने घटनास्थल से युवक की कार और पिस्टल बरामद की है। मृतक की पहचान गाजियाबाद के राजनगर निवासी अश्विन शर्मा के रूप में हुई है। घटना की ठोस जानकारी पुलिस को नहीं मिली है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो कार के पास अश्विन घायलावस्था में पड़ा है। उसके सिर में गोली लगी हुई है। पुलिस ने उसे जिम्स में भर्ती कराया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास से मृतक के पिता की लाइसेंसी पिस्टल बरामद हुई है। युवक आरओ का काम करता था। पेरिफेरल के टोल से अश्विन की कार निकलती हुई दिखाई दी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या घटना आत्महत्या प्रतीत हो रही है लेकिन परिजन ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है।

निजी कंपनी की 5वीं मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग

नोएडा। स्पेस डिजाइनर इंटरनेशनल की 5वीं मंजिल में आग लग गई। इससे वहां अफरातफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए बाहर की तरफ दौड़े। आग लगने से काफी सामान जलकर राख हो गया। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लोगों ने इसकी जानकारी फायर टीम को दी।
सूचना पर सीएफओ सहित फायर टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि फायर टीम मौके पर पहुंची है। हालांकि आग से हुए नुकसान का अभी आंकलन नहीं किया जा सका है। प्रथम दृष्ट्या शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

पत्नी और बेटे से कुकर्म का आरोप

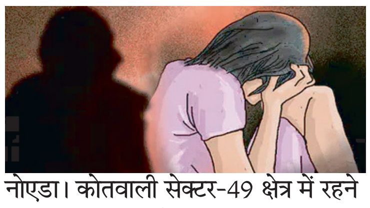

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-49 क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने पति पर कुकर्म का आरोप लगाया है। कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बेटे से भी कुकर्म की बात कही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, महिला ने इसकी शिकायत देहरादून पुलिस से की थी। देहरादून से यह मामला ट्रांसफर होकर आया है। आरोपी पति कोतवाली सेक्टर-49 क्षेत्र में रहता है। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नियम तोड़ फर्राटा भर रहीं डबल डेकर

नाएडा, संवाददाता

यमुना एक्सप्रेसवे पर 384 स्लीपर कोच (डबल डेकर) बसें नियमों का उल्लंघन कर फर्राटा भर रही हैं। लंबी दूरी के रूटों पर चलने वाली इन बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जा रही हैं। अधिकांश बसों का संचालन रात के समय किया जा रहा है। कई बसों में केवल एक ही चालक होता है।

यही कारण है कि कई बार ये बसें न केवल हादसे का शिकार हुईं हैं बल्कि हादसे का कारण भी बनी हैं। अधिकांश हादसे लंबी दूरी तय करने के कारण चालक को नींद की झपकी, तेज रफ्तार व ओवरलोड होने के कारण ही होते हैं।

इससे पहले 10 अक्तूबर को इसी तरह एक डबल डेकर बस हादसे का शिकार हुई थी और 24 यात्री घायल हुए थे। मंगलवार सुबह हुए हादसे के बाद भी यात्रियों ने बस के ओवरलोड और तेज रफ्तार होने का आरोप लगाया है। बस में क्षमता से लगभग दोगुना यात्री सवार थे।

यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रतिदिन हजारों लोग सफर करते हैं। यूपी के अलावा बिहार, मध्यप्रदेश व अन्य राज्यों से नोएडा-दिल्ली आने व यहां से अपने घरों को लौटने के लिए एक्सप्रेसवे का रास्ता चुनते हैं। सार्वजनिक बस सेवा पर्याप्त नहीं होने के कारण यात्री यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते कम समय में लंबा सफर तय करने के लिए निजी बसों का सहारा लेते हैं। यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए यहां पर स्लीपर कोच डबल डेकर बसों की संख्या 384 तक पहुंच गई है।

इनके अलावा भी लगभग 200 निजी बस यमुना एक्सप्रेसवे पर दिन-रात दौड़ती हैं। अधिक कमाई के लालच में क्षमता से अधिक यात्रियों को बस में सवार कराकर उनकी जान जोखिम में डाली जा रही है।

जेवर टोल पर न चाय पी और न मुंह धोया

टोल प्लाजा मैनेजर जेके शर्मा ने बताया कि 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक कोहरे की आशंका के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर प्राधिकरण के आदेशों के बाद भारी व हल्के वाहनों की रफ्तार कम की गई है।

रात के समय वाहन चालक नींद में किसी दुर्घटना का शिकार न हो इसके लिए रात 12 से सुबह पांच बजे तक टोल पर कर्मचारियों की टीम चालकों को चाय पिलाने के साथ ही ठंडे पानी से मुंह धूलवाने के लिए रोकती है। टोल प्लाजा पर स्पीड कम करने के लिए माइक से उद्घोषणा करने के अलावा साइन बोर्ड लगाए गए हैं। इन सब के बावजूद वाहन चालक जल्दबाजी के चक्कर में तय गति सीमा का पालन नहीं कर रहे हैं।

दो सवारियों के स्लीपर में छह लोग सवार

मध्यप्रदेश के सागर जिला निवासी रामबाबू व उनकी पत्नी संध्या ने बताया कि सोमवार शाम जब उनके जिले में बस खड़ी थी तो इसके चलने का लंबा इंतजार करना पड़ा। बस चलने से पहले क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाया गया। दो सवारियों के स्लीपर में उनके छह सदस्यों के परिवार को बैठाया गया। नीचे सीट व अन्य स्लीपर पर भी क्षमता से अधिक यात्री बैठे थे। दंपती ने चालक के तेज रफ्तार में बस चलाने व नशे में भी होने का आरोप लगाया।

हालांकि पुलिस ने चालक के नशे में बस चलाने की पुष्टि नहीं की है। रामबाबू ने बताया कि हादसा लगभग छह बजे हुआ। बस से सबसे पहले वह शीशा खोलकर किसी तरह बाहर निकाला। फिर अपने परिवार व अन्य यात्रियों को निकालने में मदद की। करीब आधे घंटे बाद सबसे पहले एंबुलेंस पहुंची। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर यात्रियों की मदद में जुट गई।

> हादसे में एक की मौत हुई है। घायलों को जिम्स में भर्ती कराया गया, सभी खतरे से बाहर हैं। अगर कोई वाहन नियम तोड़ता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।
> **– अभिषेक वर्मा, डीसीपी ग्रेटर नोएडा**

बस में छूटा सामान, खाने को करना पड़ा इंतजार

जिम्स अस्पताल में भर्ती यात्री व उनके परिजन ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस उन्हें जिम्स ले आई लेकिन उनका सामान, पर्स, रुपये-पैसे आदि वहीं रह गए। इसके चलते उन्हें अपने बच्चों को दूध व खाने की व्यवस्था करने में परेशानी उठानी पड़ी। मीडिया के हस्तक्षेप के बाद जिम्स प्रबंधन ने भी उनके लिए खाना मुहैया कराया। वहीं, दनकौर थाना प्रभारी ने बताया कि सभी यात्रियों का सामान सुरक्षित है।

घने कोहरे में 80 की रफ्तार से तय किया सफर

टोल अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार सुबह एक्सप्रेसवे के दनकौर क्षेत्र में हादसा ग्रस्त हुई बस मथुरा से जेवर तक 80 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। ये बस मथुरा से सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर चली थी और पांच बजकर 53 मिनट पर टोल से ग्रेटर नोएडा की तरफ निकल गई।

सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कासना स्थित ओयो होटल में नाबालिग का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किशोरी का अलीगढ़ से अपहरण किया था। दो आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है, जबकि नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। कासना कोतवाली प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बुलंदशहर के औरंगाबाद निवासी शोएब और कासना निवासी वसीम के रूप में हुई है। शोएब वर्तमान में कासना स्थित बेनिस वर्ल्ड स्कूल में रह रहा था।

नोएडा व्यूज
यदि आपको नोएडा व्यूज की प्रतियां नियमित मिलने में परेशानी हो रही है तो कृपया हमें ई-मेल करें या फिर दिए गए नंबर पर व्हाट्सएप करें। हम शीघ्र ही समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। अपना अखबार शुरू करवाने के लिए संपर्क करें-
+91 9810402764, noidaviews2014@gmail.com

राजनीति के युग प्रवर्तक भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी

भारत रत्न एंव पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 98 वीं जयंती पर विशेष

अटल जी 'राष्ट्रधर्म' और 'पाञ्चजन्य' के प्रथम संपादक थे

अटलजी एक प्रखर वक्ता और ओजस्वी कवि भी थे

साहित्यकार राकेश बिहारी शर्मा, महासचिव साहित्यिक मंडली शंखनाद

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी हमारे देश के राजनेता थे। जिन्होंने देश के उन्नति तथा विकास में बहुत बड़ी भागीदारी निभाई थी। इन्हें इनके नाम के अलावा भीष्म पितामह भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने आजीवन विवाह न करने का संकल्प लिया था।

प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर को पूरे भारत में श्रद्धा से 'सुशासन दिवस' मनाया जाता है। 25 दिसम्बर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म दिवस है, जो उन्हें आदर और सम्मान देने के लिये सुशासन दिवस के रूप में घोषित किया गया है। भारत सरकार द्वारा यह दिवस घोषित किया गया है ।

अटल बिहारी वाजपेयी जी का पारिवारिक जीवन और शिक्षा-दीक्षा

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी अटलजी के पिताजी पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में शिक्षक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त के समय में माता कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म हुआ था। पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर में ही शिक्षण कार्य के अतिरिक्त वे हिंदी व ब्रज भाषा के सिद्धहस्त कवि भी थे। अटलजी में काव्य के गुण वंशानुगत से प्राप्त हुए। अटलजी 7 भाई बहनों में प्रेम बिहारी वाजपेयी, अवध बिहारी वाजपेयी, सुदा बिहारी वाजपेयी तथा बहनों में विमला मिश्रा, उर्मिला मिश्रा, कमला देवी थे।

अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रारम्भिक शिक्षा सरस्वती शिक्षा मंदिर, गोरखी-बाड़ा, विद्यालय में हुई। यहां से उन्होंने 8 वीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त की। जब वे 5 वीं कक्षा में थे, तब उन्होंने प्रथम बार भाषण दिया था। उन्हें विक्टोरिया कॉलेज (वर्तमान में लक्ष्मीबाई कालेज) में दाखिल कराया गया, जहां से उन्होंने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने कानपुर के डीएवी कॉलेज से इकोनोमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने लखनऊ के लॉ कॉलेज में भी दाखिला लिया, लेकिन उनका मन पढाई में नहीं लगा और वे आरएसएस की पत्रिका में एडिटर के पद पर काम करने लगे। अटलजी एक प्रखर वक्ता और ओजस्वी कवि भी थे। उन्होंने पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, वीर अर्जुन और दैनिक स्वदेश जैसी पत्रिकाओं में अपनी सेवाएं प्रदान की। अटलजी बचपन से ही अंतर्मुखी और प्रतिभा संपन्न थे।

अटल बिहारी वाजपेयी का संघर्षों भरा राजनीतिक जीवन

अटलजी कॉलेज जीवन से ही राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना आरंभ कर दिया था। आरंभ में वे छात्र संगठन से जुड़े। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख कार्यकर्ता नारायण राव तरटे ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शाखा प्रभारी के रूप में कार्य किया। वाजपेयी जी 1942 में राजनीति में उस समय आए, जब भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उनके भाई 23 दिनों के लिए जेल गए। 1951 में आरएसएस के सहयोग से भारतीय जनसंघ पार्टी का गठन हुआ तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं के साथ अटल बिहारी वाजपेयी की अहम भूमिका रही।

वर्ष 1952 में अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार लखनऊ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, पर सफलता नहीं मिली। वे उत्तरप्रदेश की एक लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उतरे थे, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अटल बिहारी वाजपेयी को पहली बार सफलता 1957 में मिली थी। 1957 में जनसंघ ने उन्हें 3 लोकसभा सीटों- लखनऊ, मथुरा और बलरामपुर से चुनाव लड़ाया। लखनऊ में वे चुनाव हार गए, मथुरा में उनकी जमानत जब्त हो गई, लेकिन बलरामपुर संसदीय सीट से चुनाव जीतकर वे लोकसभा में पहुंचे।

वाजपेयी के असाधारण व्यक्तित्व को देखकर उस समय के वर्तमान प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि "आने वाले दिनों में यह व्यक्ति जरूर प्रधानमंत्री बनेगा"। वाजपेयी तीसरे लोकसभा चुनाव 1962 में लखनऊ सीट से उतरे, लेकिन उन्हें जीत नहीं मिल सकी। इसके बाद वे राज्यसभा सदस्य चुने गए। बाद में 1967 में फिर लोकसभा चुनाव लड़े, लेकिन जीत नहीं सके। इसके बाद 1967 में ही उपचुनाव हुआ, जहां से वे जीतकर सांसद बने।

इसके बाद 1968 में वाजपेयी जनसंघ के राष्ट्रीय अध्य क्ष बने। उस समय पार्टी के साथ नानाजी देशमुख, बलराज मधोक तथा लाल कृष्णत आडवाणी जैसे नेता थे। 1971 में 5 वें लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी मध्यप्रदेश के ग्वालियर संसदीय सीट से चुनाव में उतरे और जीतकर संसद पहुंचे। आपातकाल के बाद हुए चुनाव में 1977 और फिर 1980 के मध्यावधि चुनाव में उन्होंने नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

1984 में अटलजी ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर से लोकसभा चुनाव का पर्चा दाखिल कर दिया और उनके खिलाफ अचानक कांग्रेस ने माधवराव सिंधिया को खड़ा कर दिया जबकि माधवराव गुना संसदीय क्षेत्र से चुनकर आते थे। सिंधिया से वाजपेयी पौने 2 लाख वोटों से हार गए।

वाजपेयीजी ने एक बार जिक्र भी किया था कि उन्होंने स्वयं संसद के गलियारे में माधवराव से पूछा था कि वे ग्वालियर से तो चुनाव नहीं लड़ेंगे? माधवराव ने उस समय मना कर दिया था, लेकिन कांग्रेस की रणनीति के तहत अचानक उनका पर्चा दाखिल करा दिया गया। इस तरह वाजपेयी के पास मौका ही नहीं बचा कि वे दूसरी जगह से नामांकन दाखिल कर पाते। ऐसे में उन्हें सिंधिया से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वाजपेयी 1991 के आम चुनाव में लखनऊ और मध्यप्रदेश की विदिशा सीट से चुनाव लड़े और दोनों ही जगहों से जीते। बाद में उन्होंने विदिशा सीट छोड़ दी।

1996 में हवाला कांड में अपना नाम आने के कारण लालकृष्ण आडवाणी गांधीनगर से चुनाव नहीं लड़े। इस स्थिति में अटल बिहारी वाजपेयी ने लखनऊ सीट के साथ-साथ गांधीनगर से चुनाव लड़ा और दोनों ही जगहों से जीत हासिल की। इसके बाद वाजपेयी ने लखनऊ अपनी कर्मभूमि बना ली। वे 1998 और 1999 का लोकसभा चुनाव लखनऊ सीट से जीतकर सांसद बने।

आपातकाल के बाद 1977 में हुए लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी की जीत हुई थी और वे मोरारजी भाई देसाई के नेतृत्व वाली सरकार में विदेश मामलों के मंत्री बने। विदेश मंत्री बनने के बाद वाजपेयी पहले ऐसे नेता थे जिन्होंमने संयुक्त राष्ट्रव महासंघ को हिन्दी भाषा में संबोधित किया। इसके बाद जनता पार्टी अंतरकलह के कारण बिखर गई और 1980 में वाजपेयी के साथ पुराने दोस्तव भी जनता पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी से जुड़ गए।

वाजपेयी भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्य।क्ष बने और वे कांग्रेस सरकार के सबसे बड़े आलोचकों में शुमार किए जाने लगे। 1994 में कर्नाटक तथा 1995 में गुजरात और महाराष्ट्र में पार्टी जब चुनाव जीत गई, तो उसके बाद पार्टी के तत्कालीन अध्यरक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने वाजपेयी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीलदवार घोषित कर दिया था।

वाजपेयीजी 1996 से लेकर 2004 तक 3 बार प्रधानमंत्री बने। 1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और वाजपेयी पहली बार प्रधानमंत्री बने, हालांकि उनकी सरकार 13 दिनों में संसद में पूर्ण बहुमत हासिल नहीं करने के चलते गिर गई।

1998 के दोबारा लोकसभा चुनाव में पार्टी को ज्यादा सीटें मिलीं और कुछ अन्य पार्टियों के सहयोग से वाजपेयीजी ने एनडीए का गठन किया और वे फिर प्रधानमंत्री बने। यह सरकार 13 महीनों तक चली, लेकिन बीच में ही जयललिता की पार्टी ने सरकार का साथ छोड़ दिया जिसके चलते सरकार गिर गई। 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा फिर से सत्ता में आई और वे इस पद पर 2004 तक बने रहे। इस बार वाजपेयीजी ने अपना कार्यकाल पूरा किया।

वाजपेयी जी के दत्तक पुत्री नमिता और नंदिता

जीवन भर विवाह न करने की प्रतिज्ञा लेने वाले अटल जी की दो बेटियां हैं। दरअसल दोनों बेटियां नमिता कौल और नंदिता कौल अटल जी के मित्र बीएन कॉल और राजकुमारी कौल की हैं। इन दोनों को अटल जी ने गोद लिया और एक पिता की तरह उनकी देखरेख की। बाद में नमिता भट्टाचार्य और उनके पति रंजन भट्टाचार्य का परिवार भी उनके साथ रहने लगा था।

वाजपेयी के घर का सदस्य मित्र बीएन कॉल, राजकुमारी कौल

कॉलेज की मित्र राजकुमारी कौल से उनका विवाह न हो सका, लेकिन राजकुमारी की शादी के बाद भी दोनों साथ रहे और उनके रिश्ते को दोनों ने कोई नाम नहीं दिया। अटलजी का कद राजनीति में इतना बढ़ा था कि विरोधी दल और मीडिया कभी उनकी निजी जिंदगी में तांकझांक नहीं कर सके। राजकुमारी के बारे में बताया जाता है कि जब अटलजी प्रधानमंत्री थे तब कौल वाजपेयी जी के घर की सदस्य थीं। राजकुमारी के निधन के बाद वाजपेयी के आवास से जो प्रेस रिलीज जारी की गई थी, उसमें उन्हें वाजपेयी के 'घर का सदस्य' संबोधित किया गया था।

अटल जी के प्रमुख किताबें

अटल जी एक अच्छे कवि तथा एक अच्छे लेखक भी थे। मेरी 51 कविताएं, मृत्यु या हत्या, अमर बलिदान, कैदी कविराय की कुंडलियां ,21 कविताएं, न्यू डाइमेंशन आफ इंडियन फॉरेन पॉलिसी आदि प्रमुख किताबों के रचयिता थे। खराब स्वास्थ्य के कारण 2005 में राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। उन्हें 2014 में भारत रत्न से भी नवाजा गया था।

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी एक अध्ययनशील राजनेता थे, उनका मानना था कि शिक्षा ही किसी भी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की उन्नति के द्वार खोलती है।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार थी जिसने 2003 में पुरानी पेंशन योजना को खत्म कर दिया था और मौजूदा राष्ट्रीय पेंशन योजना को 1 अप्रैल, 2004 को सत्ता से बाहर होने से ठीक एक महीने पहले पेश किया था।

इसी क्रम में 2004 में उन्होंने राज्य को तीन विश्वविद्यालयों की सौगात देने का कार्य किया। अटल बिहारी वाजपेयी जी आज हमारे बीच नहीं हैं किंतु वह भारत के करोड़ों दिल में आज भी जिंदा हैं उन्हें शत-शत नमन।

Ex PM अटल बिहारी वाजपेयी का निधन

अटल बिहारी जी को सन 2009 में एक बार दिल का दौरा पडा था। जिसके बाद वह बोलने में सक्षम नहीं रह गए थे। बाद में वे किडनी संक्रमण तथा अन्य कई सारे लोगों से पीड़ित हो चुके थे। 11 जून 2015 मे लोगों को उनके किडनी संक्रमण के बारे में पता चला था। इसकी वजह से उन्हें (एम्स) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दाखिल करवाया गया था। इनकी मृत्यु 93 वर्ष की उम्र में 16 अगस्त 2018 को शाम के 5:05 बजे एम्स अस्पताल में ही हो गई थी।

डॉक्टर ने बताया कि पिछले 36 घंटो से इन की तबीयत ठीक नहीं थी। 17 अगस्त 2018 को इनकी दत्तक पुत्री ने इन्हें मुखाग्नी दी तथा कई सारे नेता इनके निधन समारोह में शामिल हुए थे। अटल बिहारी जी के अस्थियों को बहुत से पवित्र नदियों में अर्पित किया गया था।

अटल जी उत्कृष्ट राजनेता, यशस्वी संपादक, कवि और पत्रकार होने के साथ-साथ अच्छे कम्पोजिटर भी थे। ऐसे साहित्यप्रेमी राजनेता कम होते हैं। लेकिन अटल जी इन दोनों परिभाषाओं से परे थे। वे वास्तव में शब्दों का संधान बहुत कुशलता से कर लेते थे।

चाहे वह भाषण में हो प्रत्युत्तर हो, तर्क हो, लेखनी हो या कविता हो। उनका साहित्यिक प्रस्फुटन बहुत अनूठा था।

फैटी लिवर डायट में किन चीजों को शामिल करें?

फैटी लिवर डायट में विभिन्न तरह का आहार शामिल होना चाहिए। इस स्थिति में रोगी के आहार में कैलोरी कम होनी चाहिए, जबकि फायबर की मात्रा अधिक होनी चाहिए। इस आहार में कॉम्प्लेक्स कार्बोहायड्रेट्स, फायबर और प्रोटीन की सही मात्रा होनी चाहिए, ताकि आपको एनर्जी मिले। आपको ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए, जिससे सूजन कम हो और शरीर के सेल्स की रिपेयर करने में भी मदद मिल सके। अगर आपको फैटी लिवर जैसी बीमारी है, तो आपको इन चीजों के सेवन की सलाह दी जाती है, जैसेः

फैटी लिवर डायट में लहसुन

लहसुन फैटी लीवर के रोगियों को कई लाभ प्रदान कर सकता है। इसके साथ ही लहसुन शरीर का वजन भी कम कर सकता है। लहसुन के हमारे स्वास्थ्य के लिए कई अन्य फायदे भी हैं।

ओमेगा-3 फैटी एसिड्स

ऐसा माना जाता है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड्स, नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज में फैट के लेवल को सुधारने और हाय डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल लेवल को सही रखने में मददगार होते हैं। हालांकि, इसके बारे में अधिक रिसर्च जरूरी है। इन फूड्स में यह सब शामिल हैः

ऊपर दिए लक्षणों के अलावा रोगी में अन्य लक्षण भी नजर आ सकते हैं। जैसा की आप जानते ही हैं कि फैटी लिवर डिजीज में डायट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह फैटी लिवर डायट इस प्रकार है। जानिए इसके बारे में विस्तार सेः

सालमोन

अखरोट

अलसी के बीज

इसके लिए कॉफी को भी फायदेमंद माना जाता है। कॉफी पीने से न केवल एनर्जी मिलती है बल्कि फैटी लिवर डिजीज से पीड़ित लोगों के लिए भी लाभदायक है। यह बात साबित हुई है कि कॉफी से लिवर में फैट की मात्रा कम होती है।

ब्रॉकोली

फैटी लिवर डिजीज की स्थिति में सब्जियां भी लाभदायक साबित हो सकती हैं। अगर कोई व्यक्ति इस समस्या से पीड़ित है, तो उसे अपने आहार में सब्जियों जैसे ब्रॉकोली आदि को अवश्य शामिल करना चाहिए।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का प्रयोग आमतौर पर मेटाबॉलिज्म को सुधारने में मदद करने के लिए किया जाता है। लेकिन, ऐसा माना जाता है कि ख़ून के साथ ही पूरे शरीर में फैट की मात्रा को कम करने में यह मददगार होती है। इसका सेवन करने से फैटी लिवर डिजीज को कम करने में सहायता मिलती है। इनका सेवन करने से कई एंटीऑक्सीडेंट्स भी प्राप्त होते हैं, जिनमें से एक है कैटेकिन । यह भी फैटी लिवर को सुधारने में मददगार है।

फैटी लिवर डायट में अखरोट

फैटी लिवर डायट में अखरोट को भी शामिल किया जा सकता है और फैटी लिवर डायट में इन्हें शामिल करना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

सोया और वे प्रोटीन

सोया और वे प्रोटीन लिवर में फैट बिल्डअप को कम करते हैं। सोया प्रोटीन वजन को कम करने में भी सहायक है। यही नहीं, इसमें जो एंटीऑक्सीडेंट होता है, उसे आइसोफ्लेवोंस कहा जाता है। इससे इंसुलिन सेंसिटिविटी सुधरती है।

फैटी लिवर डायट में ओलिव ऑयल

यह हेल्दी ऑयल ओमेगा 3 फैट एसिड्स से भरपूर होता है। यह अन्य तेल या मक्खन आदि से अधिक स्वस्थ होता है। यह ओलिव ऑयल, लिवर एंजाइम लेवल और वजन को कंट्रोल करने में भी मददगार है। यानी, फैटी लिवर डायट में इसे शामिल करना भी आपके लिए लाभदायक हो सकता है।

स्वस्थ आहार क्या है, जानें इसके फायदे

'खाना' शरीर की मूलभूत जरूरत से अलग अब लोगों के मन को तृप्त करने वाली चीज बन चुका है। कुछ लोग भूख लगने पर खाते हैं, जबकि कुछ लोग सिर्फ भोजन को चखने के लिए खाते हैं।

हालांकि, इन सबके बीच अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप पौष्टिक आहार का सेवन करते हैं, तो हो सकता है कि आप थोड़ी देर के लिए सोच में पड़ जाएं। यह एक गंभीर विषय है, इसलिए बेहतर स्वास्थ्य के लिए इस पर विचार करना जरूरी है। आइए जानते हैं स्वास्थ्य के लिए अच्छा खाना क्या है और स्वस्थ भोजन के फायदे क्या-क्या हैं।

स्वस्थ आहार का मतलब ऐसे खाद्य पदार्थों से है, जो विटामिन, कैल्शियम, प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। आहार जो आपको सेहतमंद और तंदुरुस्त रखने का काम करें और आपको बीमारियों से दूर रखें। स्वस्थ आहार को पांच श्रेणी में बांटा जा सकता है

स्वस्थ आहार के फायदे:

स्वस्थ भोजन करने से न सिर्फ आपका शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि आपका दिमाग भी तेज होता है। स्वास्थ्य के लिए अच्छा खाना खाने से शरीर मजबूत होता है। स्वस्थ आहार हड्डियों को मजबूत रखते हैं। पौष्टिक भोजन गर्भावस्था के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। हरी-सब्जियां और फल मोटापा, कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग जैसी गंभीर शारीरिक समस्याओं से बचाव करते हैं। खासकर वो खाद्य पदार्थ जिसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है।

हरी सब्जियां – कई लोग खाने में हरी सब्जियां ज्यादा पसंद नहीं करते हैं लेकिन वो ये भूल जाते हैं कि इनसे उन्हें कितना फायदा हो सकता है। सब्जियों में मौजूद विटामिन, कैल्शियम, मिनरल, एंटीऑक्सीडेंट गुण शरीर को मोटापे, हृदय रोग के अलावा कई गंभीर बीमारियों से से बचाने का काम करते हैं। स्वस्थ जीवन के लिए दैनिक आहार में हरी-सब्जियों को जरूर शामिल करना चाहिए।

फल – सब्जियों की तरह ही फल भी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। डायबिटीज हो, ब्लड प्रेशर हो, कोलेस्ट्रॉल हो या वजन घटाना हो, फल आपकी मदद करेंगे। फलों में सेब, संतरा, आम और अपने पसंद का कोई भी एक या दो फल आप अपने खाने के रूटीन में शामिल जरूर करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि फलों का सेवन संतुलित मात्रा में किया जाना चाहिए।

सूप– अपने डाइट में सूप भी जरूर शामिल करें, खासकर के तब जब आप अपने बढ़ते वजन से परेशान हैं। नियमित योग या व्यायाम के साथ अपने डाइट में सूप को शामिल करके आप मोटापे की समस्या से बचाव कर सकते हैं। इसके साथ ही साथ कभी-कभी आप सूप को अपने एक वक्त के डाइट में भी ले सकते हो क्योंकि यह हल्का होता है।

सब्जियों का जूस – पोटैशियम, विटामिन, कैल्शियम युक्त सब्जियों के जूस को अपने डाइट में शामिल करें। विटामिन सी युक्त जूस से न सिर्फ शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, बल्कि ये चोट और घाव को जल्दी भरने का काम भी करते हैं। आप गाजर, टमाटर व हरी सब्जियों के जूस को शामिल कर सकते हैं। सिर्फ जूस ही नहीं, बल्कि नारियल पानी जैसे पेय पदार्थ भी आपको सेहतमंद रखने का काम कर सकते हैं। नारियल पानी से शरीर ठंडा होता है और पेट संबंधी समस्याओं से काफी हद तक आराम मिल सकता है।

फलियां और दाल – प्रोटीन, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर दाल और फलियां रक्तचाप, मधुमेह जैसी घातक बीमारियों से रोकथाम का काम कर सकती हैं। इसलिए अपने दैनिक आहार में दाल और फलियों को जरूर शामिल करें।

अनाज – चावल, गेहूं, दलिया, मकई, ब्राउन राइस जैसे अनाज और अनाज उत्पाद स्वास्थ्य के लिए जरूरी माने जाते हैं। ये शरीर में ऊर्जा की पूर्ति का काम करते हैं और आपको बीमारियों से बचाने का काम करते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने दैनिक आहार में रोटी, चावल और अन्य अनाज उत्पादों को शामिल करें।

फल जरूर खाएं लेकिन इन बातों का रखें ध्यान

फल खाना तो अच्छा है, लेकिन इन्हें कब और कैसे खाना चाहिए, ये ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस बारे में हम आपको आगे बता रहे हैं।

फल को सॉलिड फॉर्म में ही खाना चाहिए। इसमें मौजूद रेशेदार सामग्री के लाभों को प्राप्त करने के लिए इन्हें पूरा खाना अच्छा है। यह स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देने के साथ कब्ज को रोकता है।

जब भी मौसमी फल खाएं, तो वे ताजे होनी चाहिए। मौसमी फल भी मौसम के साथ आने वाले विकारों को दूर करते हैं। उदाहरण के तौर पर, गर्मी से निपटने के लिए आम बहुत उपयोगी साबित होते हैं।

फलों को कच्चा खाने पर ज्यादा से ज्यादा न्यूट्रिशन वैल्यू प्राप्त हो सकती है। पके या स्टोर किए हुए फल आमतौर पर उच्च गर्मी के कारण अपने कुछ पोषक तत्वों को खो देते हैं।

अपने मुख्य भोजन के साथ कभी भी फलों का सेवन न करें। यह एसिडिटी और पाचन समस्या का कारण बन सकते हैं। प्राकृतिक तौर पर फल ज्यादा अम्लीय होते हैं, इसलिए इन्हें भोजन से पहले या भोजन के दो घंटे बाद खाएं।

हमेशा खाली पेट फल खाने चाहिए। या फिर हल्का खाना खाने के बाद भी इन्हें खा सकते हैं। खाली पेट फल खाने से आंखों के नीचे काले घेरे, घबराहट और गंजेपन को दूर करने में मदद मिलती है।

फल खाने के तुरंत बाद कभी पानी न पीएं। इससे आपको हाई एसिडिटी हो सकती है।

फलों को हमेशा सुबह खाया जाना चाहिए, क्योंकि इससे डिटॉक्सीफिकेशन में मदद मिलती है और वजन भी घटता है।

फल लोगों के लिए सेहतमंद होते हैं। यदि आप कम कार्ब या कीटोजेनिक डाइट पर नहीं हैं, तो आप हर प्रकार का फल खा सकते हैं। अपने स्वास्थ्य लाभ का आनंद लेने के लिए हमेशा ताजे फल खाएं।

नहीं रहे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर चलपति

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर चलपति राव का 78 साल की उम्र में रविवार (25 दिसंबर) की सुबह निधन हो गया है। चलपति को आज सुबह अपने घर पर हार्ट अटैक आया, जिसके बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई। चलपति के यूं चले जाने से पूरी इंडस्ट्री गम में डूब गई है। चलपति ने अपने करियर में 600 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चलपति लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। चलपति राव के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। चलपति के फैमिली मेंबर्स ने बातचीत के दौरान कहा, 'चलपति राव का अंतिम संस्कार उनकी बेटी के अमेरिका से आने के बाद होगा। उनके पार्थिव शरीर को रविवार दोपहर तक फैंस के दर्शन के लिए बंजारा हिल्स स्थित रवि बाबू के घर में रखा जाएगा ताकि वो अंतिम दर्शन कर सकें। वहीं उनका अंतिम संस्कार बुधवार (28 दिसंबर) दोपहर 3 बजे के बाद किया जाएगा।'

चलपति राव का जन्म 1944 में आंध्र प्रदेश में हुआ था। उन्होंने सीनियर एनटीआर के प्रोत्साहन से फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया था। चलपति ने 1966 में रिलीज हुई फिल्म 'गुदाचारी 116' से अपने करियर की शुरुआत की थी। चलपति को कॉमेडी और खलनायक के तौर पर जाना जाता है।

चलपति ने 600 से अधिक फिल्मों में काम किया है, जैसे 'साक्षी', 'ड्राइवर रामुडू', 'वज्रम', आदि। इसके साथ ही वो बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की फिल्म 'किक' में भी नजर आए थे। एक्टिंग के साथ-साथ उन्होंने प्रोडक्शन में भी काम किया था। उन्होंने 'कलियुग कृष्णुडु', 'कडपा रेड्डम्मा', 'जगन्नाटकम' 'पेलेंटे नुरेला पंटा', 'प्रेसिडेंटिगारी अल्लुडु', 'अर्धरात्रि हत्यालु' और 'रक्तम चिंदिना रात्री' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया था।

खास शख्स ने दिया सामंथा को क्रिसमस गिफ्ट, बढ़ाया हौसला

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चर्चा बटोरती हैं। सामंथा फिलहाल अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, एक्ट्रेस को क्रिसमस पर एक खास तोहफा मिला है। यह तोहफा उन्हें निर्देशक राहुल रवींद्रन ने दिया है। एक्ट्रेस ने बाकायदा इसकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए एक खास नोट लिखा है।

राहुल रवींद्रन ने सामंथा को क्रिसमस के मौके पर एक फोटो फ्रेम गिफ्ट किया है। इसमें उनके लिए खास नोट लिखा हुआ है। पीले और नीले रंग के फोटो फ्रेम में लिखा है, 'सैमी, वुमन ऑफ स्टील!' इसके आगे लिखा है,'सुरंग में अंधेरा है और कोई अंत नजर नहीं आता।

यह वादा किया गया था, लेकिन रोशनी का कोई संकेत नहीं है। आप अपने कदम पूरी ताकत से खींच सकती हो। अपनी शंकाओं और डर को हराते हुए आगे बढ़ती रहो।' इसके आगे लिखा है, 'तुम स्टील से बनी हो। तुम जीत की हकदार हो।

चलती रहो, जल्द ही सूरज चमकेगा। आप जैसे योद्धा हमेशा जीतते हैं। जो आपको हरा नहीं सकता, वह आपको सिर्फ मजबूत बनाता है, पहले से ज्यादा मजबूत।' अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस फोटो फ्रेम की तस्वीर शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा है, 'आप में से जो भी कठिन लड़ाई लड़ रहे हैं, यह आपके लिए भी है। लड़ते रहो... हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होंगे... और जल्द ही हमेशा के लिए मजबूत होंगे।' सामंथा के इस पोस्ट पर यूजर्स ने दिलचस्प प्रतिक्रिया दी है।

बेटी मसाबा ने की मां नीना गुप्ता के करियर पर बात

अभिनेत्री नीना गुप्ता ने इंडस्ट्री में अपने लिए खास जगह बनाई है। वह 63 वर्ष की उम्र में भी सिनेमा में एक्टिव हैं और दमदार रोल अदा कर रही हैं। मगर, एक वक्त ऐसा था, जब उन्हें लीड रोल ऑफर नहीं हो रहे थे। हाल ही में नीना गुप्ता की बेटी मसाबा ने यह बात कही है। मसाबा ने एक मीडिया बातचीत के दौरान नीना गुप्ता के फिल्मी करियर से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान मसाबा ने कहा कि उनकी मां को यह तक कह दिया गया था कि वह कभी लीड एक्ट्रेस नहीं बन पाएंगी। आखिर ऐसा क्या हुआ था, आइए जानते हैं...

बता दें कि एक फैशन डिजाइनर के रूप में पहचान बनाने के बाद मसाबा अब अपनी मां नीना गुप्ता के नक्शेकदम पर चल पड़ी हैं। वह भी एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं। मसाबा ने कहा कि उन्हें अपनी मां के टीवी और फिल्म यात्रा को देखकर एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने की प्रेरणा मिली। मसाबा ने आगे कहा कि उन्होंने अपनी मां के करियर के दोनों पक्ष देखे हैं। एक वह दौर था जब युवा उम्र में उन्हें रोल नहीं मिल रहे थे और अब ऐसा दौर है जब 60 वर्ष की उम्र में उन्हें बेशुमार सफलता मिली है।

मसाबा ने कहा कि उनकी मां नीना गुप्ता को यह तक कह दिया गया था कि अगर वह कुंदन शाह की फिल्म 'जाने भी दो यारो' में काम करती हैं तो उन्हें कभी लीड रोल नहीं मिलेंगे। बता दें कि 'जाने भी दो यारो' में नीना ने पंकज कपूर की सेक्रेटरी प्रिया का रोल अदा किया। हाल ही में एक बातचीत के दौरान नीना ने कहा, 'मां ने मुझे बताया था कि जब उन्होंने 'जाने भी दो यारो' के लिए हां कहा तो हर कोई कह रहा था, 'अगर तुम इस फिल्म में यह रोल करोगी तो कभी लीड एक्ट्रेस नहीं बन पाओगी।' और यह बात सच भी हुई। मेरे ख्याल से 'बधाई हो' मां की पहली फिल्म है, जिसमें उन्होंने 60 की उम्र में लीड रोल किया।'

मसाबा ने खुद को लेकर भी बात की और कहा कि उन्हें ऑडिशन देने में कोई दिक्कत नहीं, बल्कि वह इसे एंजॉय करती हैं। उन्होंने कहा, 'हां, मैं ऑडिशन दूंगी, क्योंकि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं।

तुनिषा सुसाइड केस, शीजान 4 दिन की रिमांड पर

एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में रविवार को को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। शनिवार को खुदकुशी के कुछ ही घंटे के बाद तुनिषा की मां की शिकायत पर शीजान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। रविवार को उसे वसई कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। शीजान पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। हालांकि शीजान के वकील ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद सबकुछ साफ हो जाएगा। मुंबई के ACP चंद्रकांत जाधव ने बताया कि तुनिषा और शीजान का लव अफेयर चल रहा था। उनका 15 दिन पहले ब्रेक हुआ था, जिसकी वजह से तुनिषा ने शनिवार को अपने शो के सेट पर फांसी लगा ली थी। इसके बाद तुनिषा की मां ने उसके को-स्टार शीजान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर हमने उसे गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया था।

करीना के लिए सैफ ने बजाया गिटार करीना ने शेयर किया वीडियो

सैफ अली खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो गिटार बजाते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्रिसमस नाइट का यह वीडियो करीना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। दरअसल बेबो इन दिनों फैमिली के साथ लंदन में वेकेशन मना रही हैं, जहां उन्होंने बेहद स्पेशल अंदाज में क्रिसमस सेलिब्रेट किया। सैफ और जेह का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

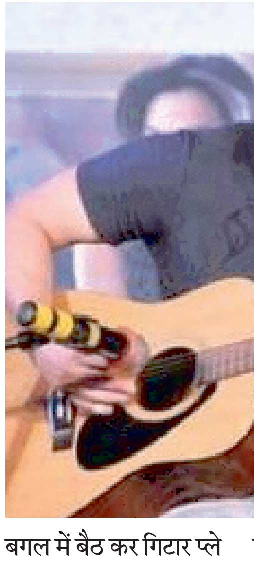

वीडियो में सैफ डिफरेंट अवतार में दिखाई दे रहे हैं। वो खूबसूरत क्रिसमस ट्री के बगल में बैठ कर गिटार प्ले कर रहे हैं, जो बहुत रोमांटिक लग रहा है। वीडियो पोस्ट करते हुए करीना ने लिखा- 'किसमस का सबसे अच्छा तरीका, अपने प्यार के साथ गिटार बजाना है। अपने बच्चों और सबसे अच्छे दोस्तों के साथ रहना, सभी के लिए प्यार प्रकाश और संगीत। मैरी क्रिसमस।'

सैफ करीना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वर्कफ्रंट की बात करें तो, करीना कपूर खान के पास इस वक्त बहुत सारे प्रोजेक्ट हैं। वो जल्द ही द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स में नजर आने वाली हैं, फिल्म में उनके साथ विजय वर्मा और जयदीप अहलावत भी नजर आएंगे। इसके अलवा उन्होंने डायरेक्टर हंसल मेहता द्वारा डायरेक्टेड एक दिलचस्प थ्रिलर फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर चुकी हैं।

रणबीर-आलिया ने खास अंदाज में सेलिब्रेट किया क्रिसमस

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को हाल ही में स्पॉट किया गया। दरअसल दोनों दिवंगत एक्टर शशि कपूर के बेटे कुणाल कपूर के घर पर क्रिसमस सेलिब्रेट करने पहुंचे थे। इस दौरान रणबीर की मां नीतू कपूर भी उनके साथ नजर आईं। क्रिसमस सेलिब्रेशन में जाते समय रणबीर-आलिया ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ रखा था। इस दौरान पैपराजी ने दोनों को कैमरे में कैद किया। वहीं कपल ने भी पैप्स को जमकर पोज दिए। पार्टी में जाते समय रणबीर को बढ़ी हुई दाढ़ी वाले लुक में देखा गया।

दूसरे रविवार को 'अवतार 2' का धमाका

हॉलीवुड फिल्म 'अवतार द वे ऑफ वॉटर' भारत में जमकर कमाई कर रही है। इस फिल्म का इंतजार लोगों को लंबे समय से था। यही वजह है कि यह फिल्म महज 10 दिनों में ही कई फिल्मों के कलेक्शन को पीछे छोड़ चुकी है। आइए जानते हैं कि इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर अब तक कितने करोड़ का बिजनेस कर लिया है। दिग्गज फिल्मकार जेम्स कैमरून के निर्देशन में बनी 'अवतार 2' ने ओपनिंग डे पर 40.3 करोड़ का कलेक्शन कर यह साबित कर दिया था कि आने वाले दिनों में यह कई फिल्मों को पीछे छोड़ने वाली है। पहले हफ्ते में फिल्म ने 193.60 करोड़ की धुआंधार कमाई की थी। फिल्म ने अंग्रेजी भाषा में 101.4 करोड़, हिंदी में 60.8 करोड़, तेलुगू में 18.95 करोड़, तमिल में 10 करोड़ और मलयालम में 2 करोड़ का बिजनेस किया था। वहीं, दूसरे वीकएंड पर भी फिल्म की कमाई की रफ्तार फुल स्पीड में नजर आई। फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 12.85 करोड़, शनिवार को 21.25 करोड़ का बिजनेस किया था।

इस बीच अब रविवार के कलेक्शन भी सामने आ गए हैं। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म को छुट्टी वाले दिन का फायदा मिला है। फिल्म ने 10वें दिन 25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन अब 252.70 करोड़ पहुंच गया है। फिल्म की रफ्तार को देखते हुए दिग्गज अनुमान लगा रहे हैं कि 'अवतार 2' आने वाले वीकडेज में 300 करोड़ क्लब में आसानी से शामिल हो जाएगी।

बता दें कि 'अवतार द वे ऑफ वॉटर' साल 2009 में आई 'अवतार' का सीक्वल है। पहले भाग की कहानी जहां से खत्म हुई थी। इसके दूसरे भाग की कहानी वहीं से शुरू होती है। फिल्म में सैम वर्थिंगटन, जो साल्डाना, स्टीफन लैंग, जोएल डेविड मूर, केट विंसलेट, विन डीजल, और सिगौरनी व्हिवर जैसे कलाकारों ने काम किया है।